श्री हनुमान जी

स्वामी रामकृष्ण परमहंस

ॐ

श्री कल्कि बाल वाटिका

मासिक पत्रिका

भगवान श्री कल्कि जी

भैरो बाबा

मां दुर्गा

मास जनवरी 2014

कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना-आभार : रश्मि गुप्त

मूल्य 10 रुपए

कल्कि म्यूजियम के ऑफिस का बी-6 सैक्टर 3 (टोल ब्रिज से उतरते ही) नोएडा में शुभारंभ 3

भगवान श्री कल्कि जनवरी में तीन मंदिरों में विराजेंगे -नैनीताल, लखनऊ, शामली यू.पी. 7

भगवान श्री कल्कि उत्तरांचल में— हल्द्वानी, एवं रूद्रपुर में विराजे 2

मामाजी अनुभव के अर्थों द्वारा डराते हैं 5

कल्कि जी के शुभ के खजाने से राजा-रानियों की तरह कल्कि जी के प्राकट्य प्रचार के कार्य करें 6

श्री कल्कि जी के काम ने ऑपरेशन से बचाया 3

श्री कल्कि के प्रचार के कार्य से कदम आगे बढ़ते हैं रास्ता मिलता है 3

सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी

श्री कल्कि बाल वाटिका संस्कार रोपण कार्यशालाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय	....	26 जनवरी
नोएडा	.....	12 जनवरी
पंजाबी बाग	.....	12 जनवरी
पटपडगंज	.....	19 जनवरी
यमुना विहार	.....	12 जनवरी
गगन विहार	.....	19 जनवरी
महावीर नगर	.....	19 जनवरी
मॉडल बस्ती	.....	05 जनवरी
ग्रीन पार्क	.....	12 जनवरी
सब्जी मंडी घंटाघर	.....	11 जनवरी

JOIN KALKI GROUP (REAL)

अनुभवमयी श्री कल्कि जी की चौकी

श्री राम लाल गुप्ता, सुश्री सविता गुप्ता- 011-27247295

स्थान : एच-214, अशोक विहार फेज-1

मोंटफोर्ट स्कूल के सामने एच ब्लॉक मार्केट

समय : 2 बजे से 4 बजे-अनुभव गोष्ठी

4 बजे से 7 बजे -श्री कल्कि चौंकी

संचालिका- सुश्री इंदू बंसल (011-32448401) सुश्री सुषमा गोयल (9899698240)

दिनांक : शनिवार 11 जनवरी 2014, 8 फरवरी 2014

स्थान : जी-3 थर्ड फ्लोर,मित्रद्वीप अपार्टमेंट पटपड़गंज दिल्ली-92

समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक

संपर्क : श्री सुनील गर्ग, सुश्री संगीता गर्ग (9873349478)

संचालिका- सुश्री मेघना गोयल (913677829)

भगवान श्री कल्कि उत्तरांचल में-हल्द्वानी, एवं रूद्रपुर में विराजे

प्रिय साथियों, 6-7 दिसंबर 2013 को भगवान श्री कल्कि जी उत्तराखंड के हल्द्वानी एवं रूद्रपुर में विराजे जिसमें दिल्ली से लगभग 70 भक्तों ने भाग लिया। श्री श्याम जी के मंदिर, गल्ला मंडी, रूद्रपुर में 6 दिसंबर को भगवान श्री कल्कि की मूर्ति की स्थापना हुई। दिल्ली से गए सभी भक्तजनों ने रूकने की व्यवस्था रैडीसन होटल, रूद्रपुर में की थी। गुप्त परिवार की ओर से संगीतमय रात्रि भोज कंट्री इन साहिबाबाद होटल की तरह **कल्कि भक्तों के अनुरोध** पर गायक गायिका के स्थान पर भजन संध्या, आपबीतियों व अनुभव गोष्ठी में परिवर्तित हो गई। पेश है उसकी कुछ अनुपम रहस्यमयी यादें:-

श्री कल्कि बाल वाटिका के नन्हें बच्चों ने जब मंच पर गाया

—सुश्री मेघना गोयल (0-9136377829)

कुमार शुभम गुप्त ने **उठो भारत जगाया जा रहा है समां सत्युग का आया जा रहा है** गाकर वहाँ बैठे सभी भक्तजनों का मन मोह लिया। कुमारी काशवी जो मात्र दो वर्ष की है ने अपनी तोतली भाषा में भगवान श्री कल्कि का महामंत्र और गायत्री मंत्र गाकर अपने पापा राहुल अग्रवाल को मंच पर आने के लिए प्रेरित कर दिया। पेश है श्री राहुल अग्रवाल द्वारा रहस्यमयी असंभव को संभव करने वाली आपबीती।

उपचारों द्वारा संतान प्राप्ति

—श्री राहुल अग्रवाल 0-9891879718

मेरी भाभी ने संतान प्राप्ति के लिये बहुत डॉक्टरों से सम्पर्क किया लेकिन कोई हल नहीं निकला। बेटा तो क्या? डॉक्टरी रिपोर्ट में आया कि वह गर्भवति भी नहीं हो सकती थीं। मौसाजी से पूछकर मैंने श्री कल्कि जी के उपचार कराए और असम्भव को सम्भव पाया। (विस्तार के लिये देखें **स्वप्नानुभव एक सम्पदा ग्रंथ पेज न० 187)**

वर्षों से रुके व्यापार ने नई उड़ान भरी

—सुश्री आशा कंवर 0-9810236073

भगवान श्री कल्कि का मैं जितना भी धन्यवाद करूँ वह कम हैं। कल्कि जी की कृपा से मात्र एक वर्ष के अंदर मेरे पुत्र का विवाह संपन्न हुआ जो पत्री के हिसाब से असम्भव था। मैं प्रीत विहार में अपना बुटीक चलाती हूँ। वर्षों से साड़ियों का एक शोरूम शाहपुरा नई दिल्ली में खोलने का सपना देखा करती थी। श्री कल्कि जी के प्रबल प्रताप से व भइया (मामाजी) के दिखाए मार्ग दर्शन से मेरे शाहपुरा में एक नहीं दो शोरूम खुल गए। साथियों मैं सच कहूँ तो अब मैंने अपनी जन्मपत्री दिखाना छोड़ दिया है। क्योंकि कल्कि जी से जो मार्गदर्शन स्वप्नानुभव में मुझे मिलते हैं वह तो कोई विद्वान ब्राह्मण या ज्योतिषी भी विस्तार से नहीं बता सकता जितना श्री कल्कि जी मुझे व मेरे परिवार को स्वप्नानुभवों में बता व दिखा देते हैं। **स्वप्नानुभव एक सम्पदा ग्रंथ पेज न० 167)**

चमत्कारी कल्कि ने थके हुए मन व्यापार को एकदम चमकाया

—श्री सुनील गुप्त 0-9810227111

जब मैं कल्कि जी से जुड़ा उस समय मैं अपने घर और व्यापार को लेकर मन से हार चुका था। अचानक मुझे अपनी बहन से पता चला कि अशोक विहार में उनके घर पर श्री कल्कि भगवान की अनुभव गोष्ठी हर महीने के पहले शनिवार को होती है। वहाँ जाकर मैंने कल्कि जी की स्वप्नानुभव लीला के बारे में जाना और श्री कल्कि जी का नाम लेना शुरू कर दिया। कमाल है! फिर तो प्रभु श्री कल्कि ने स्वप्नानुभवों के द्वारा मेरा मार्गदर्शन करना शुरू कर दिया। सबसे पहले तो मैं पितृों की परेशानी से निकला। इसके लिये स्वप्न अनुभवों ने मुझे **गया धाम, बिहार** तक भेजा। दोस्तों जब से मेरे कल्कि जी ने मुझे परेशानियों से निकलने का रास्ता दिया है तब से मेरे लिए कल्कि जी के प्रचार प्राकट्य का काम ही सर्वोपरि हो गया है।

कल्कि जी को आभार करके तो देखें दवाइयों का बिल कम हो जाएगा

—श्री सुभाष गुप्त 0-9810300045

प्रात:काल से भगवान श्री कल्कि को दिन में जितनी बार बन पड़ें उनका आभार (धन्यवाद) करते रहें। आप देखेंगे कि आपके जीवन में चमत्कारिक बदलाव आने शुरू होंगे। यह सिद्धांत ऐसे काम करता है जैसे आप किसी के घर भोजन के निमन्त्रण पर गए हैं और उनके बने किसी व्यंजन की तारीफ़ कर दें तो वह आपको तुरन्त वही व्यंजन और खाने के लिये देगा। ठीक वैसे ही भगवान कल्कि का किया हुआ आभार ब्रह्मांड में जाते ही भक्त को वह कल्कि जी की कृपाएं अधिक रूप में मिलनी शुरू हो जाती हैं। आजमा कर देखें, ऐसा करने से परिवार की दवाइयों का बिल तो तुरन्त कम होना शुरु हो ही जाता है।

7 दिसंबर को हल्द्वानी में भगवान श्री कल्कि विराजे

इसी प्रकार भक्तवर अगले दिन 7 दिसंबर को भगवान श्री कल्कि, पदमाजी, रमाजी एवं श्री राम दरबार हल्द्वानी में विराजे जिसमें दिल्ली से गए सभी 70 कल्कि भक्तों ने भाग लिया।

श्री कल्कि के प्रचार के कार्य से कदम आगे बढ़ते हैं रास्ता मिलता है

सुश्री शोभा गुप्ता

मैं अपनी बहन संजू गड़ौदिया को देखकर कल्कि नाम से जुड़ी। इसके कारण मेरे कई असम्भव कार्य सम्भव हुए। मैं जब भी अपनी बहन को ऐसी आपबीतियाँ बताती तो वह मुझसे कहती देखो कल्कि जी का अवतार तो "अदले का बदला (Tit for tat) है। आपको जो मिल रहा है आप भी भगवान श्री कल्कि के प्राकटय प्रचार का सम्पूर्ण कार्य करने की कोशिश करो।

तुम रुपया तो मुझे साहित्य में लगाने को दे जाती हो और वह मैं साहित्य में लगा भी देती हूँ। लेकिन तुम पढ़ी लिखी हो और तुम्हारे पास साहित्य बनवाने-छपवाने का साधन भी है जिसे मैं अक्सर आलस्य से टाल जाती थी कि "**बैठे मिले खाने को तो जूती जाए कमाने को।**"

मैं फरीदाबाद में अपने क्षेत्र में वैश्य समीति की संचालिका भी हूँ, जिसमें 52 संभ्रांत परिवार हैं। वहाँ उन्होंने वैश्य समाज को जागरूक करने एवं जरूरतमंद परिवारों की मदद करने का मुझे काम सौंपा। उसी समय मेरे मन में अपनी बड़ी बहन के शब्द गूंजे कि मैं कल्कि भगवान के प्राकटय प्रचार का कार्य करके उनके परिवारों को वो वैभवता दिलवाऊँ जो मुझे श्री कल्कि नाम से निरन्तर मिल रही है। अत: मैंने श्री हनुमान जी (मेरे गुरु) और श्री कल्कि जी का नाम लेकर यह बीड़ा उठाया और सबकी जानकारी के लिये भगवान श्री कल्कि के जानकारी वाले साहित्य जैसे लीफलेट, भगवान श्री कल्कि के भजन के पेन ड्राईव, श्री कल्कि चालीसा, कोलकाता से बनी श्री कल्कि की डॉक्यूमेन्ट्री श्री कल्कि द लास्ट सेवियर (अब भगवान श्री कल्कि ही बचाएंगे) देना शुरु किया। इससे वास्तव में मेरे मन में बहुत ही संतोष की अनुभूति हो रही है।

श्री कल्कि जी के काम ने ऑपरेशन से बचाया

(दिसम्बर अंक 2013 में हमने शादी के लिये हवन और भूखों को खाना छापा था। उसी स्वप्नानुभव के अर्न्तगत आगे पढ़ें दूसरा अनुभव)

दोबारा आँख लगने पर मुझे अनुभव हुआ कोई भारी और साफ़ आवाज़ में मुझसे कह रहा है- तुम अपने उपचार अंकल जी (मामाजी) से पूछ लेना। आगे का उपचार वह बता देंगे। उसके बाद मैं जाने के लिये चल पड़ी फिर आवाज़ आई सुनो, अपने अंकल जी से कह देना कि मेरा काम करते रहें नहीं तो ऑपरेशन कराना पड़ सकता है। उनके शरीर में एक छोटी सी गॉठ है। स्कैनिंग करवा लें कहीं वह छोटी सी गाँठ बड़ी न हो जाए। बस यह सब कहकर सब धुआँ धुआँ दिखने लगा। किसी का साँवला चेहरा मुख गुलाबी तेज और गर्दन तक बाल।

अर्थ:- परिस्थितियों के हिसाब से उपचार बदलते रहते हैं- सत्संग द्वारा आर्थिक जीवन व श्री कल्कि जी का प्रचार अराधना करते हुए उनके प्राकट्य प्रचार के कार्यों में सकारात्मक कार्य करते रहने पर लक्ष्य की प्राप्ति अवश्य होती है।

भगवान श्री कल्कि ने कल्कि समाज को इस भ्रम से निकाला है कि **माामाजी** श्री कल्कि जी पर कोई अहसान नहीं कर रहें हैं। मामाजी जितना उनके प्राकट्य प्रचार का कार्य कर रहे हो उससे कहीं ज्यादा श्री कल्कि उन्हें आर्थिक सुख ही नहीं दैहिक रोगो से भी बचाते हुए मामाजी के शरीर और शरीर के अंगों का भी पूर्ण ध्यान रखे हुए हैं। तभी तो श्री कल्कि जी कह रहे हैं शरीर में छोटी सी गांठ की स्कैनिंग करा ले कभी बड़ी न हो जाये।

विशेष:- मामाजी जब डॉ लाल पैथोलॉजी, क्नॉट प्लेस, नई दिल्ली में गांठ की चैकिंग कराने गये तो वहाँ डॉक्टर ने गांठ में सुई गेर कर कई बार घुमा कर कहा इसमें खाली फोक है कोई तरल पदार्थ नहीं है जो हम कुछ टेस्ट कर सकें। यहाँ तक कि उन्होंने कोई रुपया भी नहीं लिया।

उपचार:- दृष्टा की शादी के लिये- काम से आने के बाद समय निकाल कर दूध में काले तिल गेरकर घर में शंकर जी का हवन अवश्य करें। अपने शरीर का ख्याल रखें।

मामाजी धन्वन्तरी जी के 5 हवन का संकल्प लें।

कल्कि म्यूजियम के ऑफिस का बी-6 सैक्टर 3 (टोल ब्रिज से उतरते ही) नोएडा में शुभारंभ

-मामाजी

सन् 1980 में नोएडा की पावन भूमि पर भगवान श्री कल्कि ने स्वप्नानुभव में कल्कि जी, माँ दुर्गा, गणेश जी सहित हनुमान जी का दरबार जो दिखाया था उसका शुभारंभ 21 दिसम्बर 2013 को श्री कल्कि जी की मुक्तीदायिनी आरती से सम्पन्न हुआ। वहाँ 33 साल बाद कल्कि म्यूजियम का शुभारंभ वास्तव में हम कल्कि भक्तों के लिये श्री कल्कि जी की अहैतू की कृपा है। क्योंकि अब यह हम सब का स्वतंत्र श्री कल्कि ऑफिस बन गया ।

श्री श्याम जी मंदिर, गल्ला मण्डी, रुद्रपुर
में युगावतार भगवान श्री कल्कि जी विराजे

श्री हनुमान शिव मंदिर, आर.टी.ओ ऑफिस के पास
हल्द्वानी में सपरिवार भगवान श्री कल्कि जी विराजे

श्री हनुमान मंदिर हल्द्वानी में श्री राम दरबार की स्थापना
भी भगवान श्री कल्कि के साथ कराती हुई
श्री कल्कि बाल वाटिका

रात्रि भोज से पहले अनूठी संगीतमयी सत्संग गोष्ठी
रैडिसन होटल रुद्रपुर में

नैनीताल से 9 कि.मी. पहले भुवाली
के सिद्ध श्री गोलू देव महाराज का
मुख्य मंदिर जहाँ गोलू जी की प्राचीन
मूर्ति स्थापित है

सिद्ध श्री गोलू देव महाराज, भुवाली
मंदिर का प्रांगण स्थल जहाँ देश विदेश
से भक्त अपनी मान्यताएं लिखकर
अपनी पर्ची लगाते हैं

श्री गोलूदेव मंदिर में भगवान श्री
कल्कि की मूर्ति के लिये निर्माण
कार्य प्रगति पर जहाँ 14 जनवरी
मंगलवार 2014 को मूर्ति स्थापना होगी

मामाजी अनुभव के अर्थों द्वारा डराते हैं

लेखिका-सुश्री इंदु बंसल, लिपिका-सुश्री इंदु गुप्ता 011-32448401

मामाजी की बातें अक्सर कल्कि भक्तों को उदासीनता (तनाव-डिप्रेशन) में ले जाती हैं। असमान्य (गलत/डरावना/बार-बार एक ही) स्वप्न अनुभव आने पर मामाजी का भक्त को यह कहना ''तुम्हें भगवान से बहुत माल मिला है और तुमने उसका भुगतान (Repayment) नहीं किया, **अब भी** कल्कि जी के प्राकट्य के प्रचार का कार्य नहीं किया तो तुम्हारा बहुत बड़ा अनिष्ट होने वाला है।'' यह तो **एकदम बाबाओं की सी डराने धमकाने वाली बातें लगती हैं।** अब तो कल्कि जी के बारे में किसी को बताने में भी डर लगता है। यदि उनकी कृपा से कुछ मिल गया और भुगतान नहीं कर पाए तो पता नहीं क्या होगा?

और! क्या भुगतान करें और कैसे करें?

घर-गृहस्थी-दुनियादारी और यदि आप पुरुष हैं, तो व्यापार के सब काम छोड़कर 4-5 घंटे पूजा तो नहीं कर सकते हैं? पहले तो यह बात आती है कि कल्कि जी का नाम लोगे तो आगे बढ़ते चले जाओगे और उसके बाद दादाओं (डॉन) वाली घुड़की

''तुझे कल्कि जी से बहुत लड्डू मिले हैं अब गोली खा।''

लेकिन दोस्तों! विचार करके देखें आपको कल्कि भगवान से जोड़ने के लिये मामाजी ने कोई रिश्वत (पैसे) तो नहीं ली? आप जो कल्कि जी के रास्ते पर आगे बढ़ते चले उसके पीछे कारण था **आपके अपने स्वप्न अनुभव।** कल्कि भगवान से जुड़ने के बाद जब आपने कल्कि जी की आराधना आरम्भ की और अपनी जीवन की परेशानियाँ कल्कि भगवान के आगे रखी तो कल्कि भगवान की स्वप्न अनुभव लीला द्वारा (स्वप्न, वाणी, जागृत व मानसिक) आपको आपकी परेशानियों से निकलने के श्री कल्कि जी द्वारा रास्ते मिले। धीरे-धीरे आपके मन चाहे सपने साकार हुए और आपके असम्भव काम सम्भव हुए और अब भी निरन्तर होते जा रहे हैं। लेकिन यह मानव स्वभाव है कि-

दुःख में सुमिरन सब करें, सुख में करे न कोई,
जो सुख में सुमिरन करे तो दुःख काहे को होए।

जब दुखों से उभरने के बाद इंसान को सुख मिलता है तो वह लापरवाह हो जाता है। उदाहरण स्वरूप भगवान श्री राम के द्वारा बाली का वध कर जब **सुग्रीव को किशकिंधा का राजपाठ मिला** तो वह सुखों में भगवान राम से किया हुआ वायदा भूल गया (सीता माता की खोज में जाने का)। तब भगवान राम ने लक्ष्मण जी **को कठोर शब्दों** में सुग्रीव को चेतावनी देने के लिये भेजा कि यदि सुग्रीव अपना वचन पूरा नहीं करेगा तो उसे **बहुत संकटों का** सामना करना पड़ेगा।

इसी प्रकार यदि भक्त का कल्कि जी की कृपा से कोई काम बन जाता है तो हवन-माला-पाठ-सतसंग के प्रति उदासीन हो जाता है। तब उसके स्वप्न अनुभव में उसके अनिष्ट के संकेत आने लग जाते हैं। माामजी जरा ज्यादा बोलने की आदत के अनुरूप भक्तों के अनुभवों की व्याख्या करने के **दौरान ही** उन कठोर शब्दों का प्रयोग भी कर जाते हैं जो उनके या उनके साथियों के साथ सत्य घटित हो चुका अथवा हो रहा है ताकि द्रष्टा का किसी प्रकार का अनिष्ट न हो जाए, जिसका संकेत उसके अनुभव में आ रहा है। कल्कि भक्तों द्वारा आजमाया हुआ प्रमाणित सत्य है कि कुछ अच्छा होने के बाद जब कुछ बुरे अनुभव आते हैं, तो उनकी होनी अनहोनी (एक्टीवेशन) कई गुणा ज्यादा होती है। यदि उस वक्त कल्कि भक्त जरा सावधानी से (गंभीरता से कल्कि जी का प्रचार का कार्य) हवन, माला, जाप, स्वप्न में आए निर्देश लेकर चले तो आसुरी शक्तियाँ उसका कोई भी अनिष्ट कर ही नहीं सकतीं।

यह मामाजी के नहीं श्री गुरुजी (स्वामी रामकृष्ण परमहंस के आवेशावतार गुरुवर लक्ष्मी नारायण) को मां सरस्वती द्वारा प्रदत्त (दिये) शब्द हैं:-

''सावधान हो धर्म कर्म पर अपनी करो संभाल, अंचल गहे रहो कल्कि का, अब होगा संहार।''

मामाजी की तो एक मात्र पवित्र निष्छल चाहना यही रहती है कि किसी भी कल्कि भक्त का वह अनिष्ट न हो जाए जो उसके अनुभव में अंतर्जगत दिखा रहा है। यदि हमें कलियुग के ताप, अनचाही परेशानियों से कोई बचा सकता है तो वह सिर्फ कल्कि जी हैं क्योंकि

''कल्कि नाम स्वयं हरि विग्रह, कलियुग का कर रहा निग्रह है
असुरन को महामारी ग्रह है,कल्कि नाम रटो, कल्कि नाम जपो''

हम फिर कहेंगे कि यदि आपको मामाजी की बातों पर आपत्ति है तो उनकी बातों को नकार कर, कल्कि जी की पूजा आराधना छोड़कर स्वप्न अनुभवों में दिये निर्देशों को नज़र अंदाज करके देखें। फिर चार-छः महीने (कालांतर) में जो आपके साथ घटित होता है वह आप हमें बता दें। यदि मामाजी का कहा गलत होता है तो हम सत्य (विश्वास दिलाते हैं) आपकी बातें छापकर मामाजी को गलत प्रमाणित करते रहेंगे।

विशेष बातें जो भक्तों के अनिष्ट का कारण बनते हैं

1. अति आत्म विश्वास- हम तो कल्कि जी की पूजा करते हैं, हमें बड़े सकारात्मक अनुभव आते हैं, हमारा तो कोई अनिष्ट हो ही नहीं सकता।

2. स्वप्न अनुभव के द्वारा दैवी शक्तियाँ अर्न्तजगत से जो संदेश देती हैं (क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए और क्या बुरा होने वाला है और वह कैसे रोका जा सकता है) इसका हर भक्त **अति आत्म विश्वास** में अपनी सहूलियत के अनुसार अर्थ निकालकर संतुष्ट होना चाहता है। कड़वी और तीखी लेकिन सत्य बात को वह स्वीकारना नहीं चाहता। **जैसे कबूतर बिल्ली को अपने ऊपर झपटता हुआ देखता है तो उड़ने की बजाए, अपनी आँखें बंद कर लेता है और इस भ्रम में रहना चाहता है कि बिल्ली चली गई, लेकिन नतीजा क्या होता है ? कबूतर तो बिल्ली का ग्रास बन गया।**

3. अतिश्य भावुकता- पेश हैं (अधिकता का अनुभव)—

(क) श्री राकेश अग्रवाल जी की लेखनी से (9810654193)

मैंने पत्नी के कहने से श्री कल्कि जी की एक माला करनी शुरु करी लेकिन मैं स्वप्न अनुभवों को महज स्वप्न समझकर अथवा दिन में जो घटित होता है वही दिख गया कहकर कोई महत्व नहीं देता था। अप्रैल 2012 में मैंने स्वप्न अनुभव में देखा कि मेरी फैक्ट्री की छत से पानी मशीनों पर टपक रहा है जिससे मशीनों में जंग लग गया।

उसी हफ्ते में मुझे दो और अनुभव हुए :-

1. मैं फैक्ट्री खोल रहा हूँ तो मशीनों पर धूल जम रही है मानो फैक्ट्री बहुत दिनों से नहीं खुली है।
2. मेरी फैक्ट्री में ताले लगे हुए हैं।

मैं अनुभवों के प्रति **गंभीर** तो था ही नहीं मैंने मामूली स्वप्न मानकर कोई परवाह नहीं की।

सत्य घटित:- 13 सितम्बर 2013 को वास्तव में कॉरपोरेशन द्वारा मेरी चलती चलाती फैक्ट्री सील हो गई। तब मेरी पत्नी ने मामाजी से अर्थ-उपचार पूछे और जो-जो स्वप्न अनुभव इस दौरान आए उन्हें भी पूछकर उपचार किये। पुन: 9 अक्टूबर 2013 को सिर्फ मेरी फैक्ट्री की सील खोली गई बाकी फैक्ट्रियों की नहीं।

(ख) कुमारी आभा अग्रवाल की कलम से (9136377829)

(मेरे श्री कल्कि का एक नाम **रहस्यनाम रहस्याय** है। वह अपने भक्तों को मजबूर नहीं देख सकते। मेरी मम्मी ने एक अभिमानी सखी को श्री कल्कि जी का हवन सिखाने के लिये आश्वस्त किया।)

मुझे उसी रात स्वप्न अनुभव हुआ कि मेरे घर के सामने वाले पार्क में कुछ लीला चल रही है। उसी क्षण मुझे याद आया कि जो यह लीला देखता है, वह मर जाता है। तभी मैं देखती हूँ कि मेरे घर के बराबर कल्कि जी का उत्सव हो रहा है। उसी तरफ से श्री कल्कि जी की सवारी भी आ रही है और कल्कि जी मुझे एक तीर से मार देते हैं।

अर्थ:- मैंने यह अनुभव जब अपनी मम्मी को सुनाया तो इसे सुनकर वह सकपका गईं। वह तुरन्त कल्कि भगवान के दरबार में गई और 5 रुपये का सिक्का मेरे जीवन की सलामती के लिये यमुना महारानी के लिये निकाले। मम्मी ने प्रार्थना करी और साथ ही कहा कि मैं कल वाला अपनी सखी को हवन सिखाने का निर्णय वापस लेती हूँ, मेरी बेटी को इस बला से निकालो।

4. अनुभवों को नज़र अंदाज करना- 1980 में मैं (मामाजी) एक साजेदारी की फर्म में काम करता था। दुकान की एक चाबी मेरे (मामाजी) पास थी, दूसरी चाबी साजेदार के पास थी। फर्म में आपसी झगड़े कारण हमें न्यायाल्य जाना पड़ा। न्यायाल्य ने मेरे पक्ष में फैंसला दिया।

दो दिन बाद मुझे स्वप्न अनुभव में दिखा कि मैंने चाबी से दुकान खोली, थोड़ी देर बाद किसी शक्ति ने ताला बन्द कर दिया। मैंने इस अनुभव को साधारण समझा और मन से सोचा बेकार की बात है कुछ नहीं होता।

अर्थ:- मेरे हाथ से दुकान गई। इसका निष्कर्ष यह निकला कि पार्टनर दुकान पर पूर्ण काबिज हो गया। जिसमें मुझे धन हानि के साथ-साथ शारीरिक व दिमागी परेशानी भी वर्षों झेलनी पड़ी तब जाकर सफलता मिली।

5. भगवान की आराधना पुजा माला जाप पाठ न कर पाने का नित नए बहाने बनाकर अपने आपको सही साबित करना क्योंकि यह एकदम सत्य बात है कि जो काम इंसान पूर्ण निष्ठा और गंभीरता के साथ करना चाहता है उसे वह चाहे कितनी भी विपरीत परिस्थितियाँ आएं, चाहे कितनी भी व्यस्तता हो वह कर ही लेता है। लेकिन जिस कार्य के लिये हमारे मन में उदासीनता, आलस्य या लापरवाही होती है या उसे सही मानकर (टेक इट फौर ग्रांटिड) लेता है तो उस कार्य को न कर पाने के हमारा चतुर मन सौ बहाने ढूंढ सकता है। लेकिन हमारे कल्कि भगवान तो-

''बड़े भोले हैं भलों के वास्ते, पर खिलाड़ी हैं खलों के वास्ते, यू समझ लो तीतरों में बाज हैं''

यह मेरा अजमाया हुआ सत्य है कि भगवान श्री कल्कि अपने भक्तों से सत्यता और सच्चा समर्पण (खौफ़, प्रेम, परवाह) चाहते हैं।

2, कल्कि जी का कार्य करना है। भक्त की सुगमता के अनुसार रास्ते स्वयं अपने आप खुलते हैं।

4, 5 घंटे की पूजा आवश्यक नहीं है। उसे ज्यादा आवश्यक है कल्कि भगवान के हर कार्य के लिये सच्चे मन से हां कहना अर्थात

यह चाहना मुझे ही कल्कि जी का कार्य करना है तब भक्त की सुगमता के अनुसार रास्ते स्वयं अपने आप खुलते हैं।
6. कल्कि भक्तों से द्वेष करना और जाने अनजाने निर्दोष कल्कि भक्तो को दु:ख पहुँचाना।
7. भक्तों में अहंकार आना कि मैं कल्कि जी का सबसे ज्यादा कार्य करता हूँ और मैं कल्कि जी का सबसे बड़ा भक्त हूँ।
8. भक्त का अहंकार और उसके आत्म प्रशंसा की चाहत भक्त के पुण्यों को गला देती है।

भगवान श्री कल्कि जनवरी में तीन मंदिरों में विराजेंगे- नैनीताल, लखनऊ, शामली

शामली- श्री शिव मंदिर सेवा समीति, ऊँचा गाँव, शामली, उ. प्र. में भगवान श्री कल्कि की, श्री हनुमान जी एवं मां दुर्गा की प्रतिमा के साथ अन्य प्रतिमाओं की भी प्राण प्रतिष्ठा होगी।

यह प्राण प्रतिष्ठा जगद् गुरु शंकराचार्य माधवाचार्य एवं स्वामी विशुद्धानन्द जी महाराज के सानिध्य में वेदपाठी ब्राह्मणों द्वारा 22 जनवरी बुधवार से शुरु होगी एवं 26 जनवरी 2014 को प्रात: 12 बजे शोभा यात्रा के पश्चात प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।
विशेष:- श्री वृंदावन गुप्ता जी के प्रयासों से ही गाँव में नहर के पुल का पुर्ननिर्माण सिंचाई विभाग (उ. प्र.) के द्वारा 39.84 लाख के अनुदान से कराया गया जिसका प्रमाण गाँव के डाकखाने में मौजूद है।

संपर्क सूत्र : आशा कंवर (09810236073) गुप्ता जी (9810333311) मामाजी (9136377829)

लखनऊ-17 जनवरी 2014 को श्री बाबा भूतनाथ आश्रम,भूतनाथ मंदिर सैक्टर-बी, इन्द्रा नगर, लखनऊ

संपर्क सूत्र : मेघना गोयल (9136377829) गुंजन अग्रवाल (9891195056)

नैनीताल— 14 जनवरी 2014 गोलू देव महाराज मंदिर, घोड़ा खाल रोड, भुवाली

संपर्क सूत्र : मनोज पाण्डेय (9212703815) अनुज रस्तोगी (9891212606) मामाजी (9136377829)

भगवान विष्णु के मन्दिर निर्माण अथवा प्राण प्रतिष्ठा में जो भी सहयोग देता है उसकी सात पीढ़ियों को कालान्तर में मोक्ष की प्राप्ति होती है -अग्नि पुराण

■आप अपना सहयोग उपरोक्त सत्कार्यों में किसी एक मद में पूरा या हिस्से में देना चाहे तो आपके नाम से अथवा गुप्त सहर्ष स्वीकार कर के उसी मद में लगाया जाएगा ■ सहयोग के हिसाब से अनुमानित मदों को घटाया बढ़ाया जा सकता है
■ आपकी उपस्थिति हमारे लिए आपके सहयोग से भी ज्यादा अमूल्य है
■ आप अपना बहुमूल्य सहयोग ऊपर लिखे किसी भी मूर्ति स्थापना प्रभारी को भेज/फोन पर बता सकते हैं

आगामी अंकों में—

*असम्भव को सम्भव करने वाले कल्कि भगवान के भक्त कलियुग की कुचालों द्वारा धरातल पर आने से बचें।

* यू एस ए की पत्रिका में भगवान श्री कल्कि

* अब कल्कि जी स्वयं प्रचार के लिए निकले-जल्द सुनवाई के लिए मंदिर कैसा हो ?

मासिक पत्रिका नहीं मिल रही है अथवा चाहिए के लिये बाल वाटिका के नए कदम

मासिक पत्रिका नहीं मिल रही ?
सुश्री रश्मि गुप्त (9711108050)

कोरियर या रजिस्ट्री से मंगाना चाहते हैं ?
सुश्री रेनू बंसल
(9818000004)

नया पता देना चाहते हैं ?
सुश्री सुषमा गुप्त (9899698240)

5 जनवरी 2014 को योगमाया मंदिर महरौली में भगवान श्री कल्कि के सहस्त्रनाम यज्ञ का आयोजन प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक सुश्री इंदू बंसल की अध्यक्षता में संपन्न होने जा रहा है। आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

Registered with the Registrar of Newspaper for India Under No. Delhi-N/2005/15596 Postal D. No. DL(DG)-11/8061/2012-2014

1 से 8 तक | 25 ग्राम | जनवरी 2014 | मूल्य 10 रुपए

क्या आप भी राजा रानी बनना चाहते हैं?

तो आएं अन्य राजा रानियों की तरह आप भी ऐसे चमत्कारी महाविष्णु भगवान श्री कल्कि की मूर्ति लगाने का विचार बनाइए और पाइए अन्य राजा रानियों की तरह अपने जीवन में भी आए प्रतिदिन बदलाव।

आश्चर्यजनक किंतु सत्य.....महाविष्णु का भगवान श्री कल्कि ऐसा चमत्कारी अवतार जिसके प्रकट होने से पहले सिद्ध पीठों और शक्तिपीठों में मूर्तियाँ लग रही हैं और विधिवत पूजा हो रही है

श्री कल्कि बाल वाटिका के सदस्य अग्रोहा धाम में बनने वाले श्री कल्कि संग्रहालय में कार्यरत

आप धर्म की रक्षा करें धर्म आपकी रक्षा करेगा – आप भी ऐसा धार्मिक कार्य चाहते हैं और आपके पास 2000 मीटर के करीब या कम स्थान हो तो श्री कल्कि संग्रहालय के लिए हम आपके सहयोग के लिए प्रस्तुत हैं

कल्कि संग्रहालय में आप देखेंगे

भारत भूमि पर हमारा जन्म सौभाग्य की गाथा गाता है। * *भारत भूमि श्री हरि नारायण की भूमि है।* * *भगवान विष्णु के दशावतार* * *अभी कल्कि क्यों?* * *कलियुग के चौथे चरण के लक्षण* * *कल्कि जी ने अवतार क्यों लिया?* * *हनुमान जी/ रामकृष्ण परमहंस हमारे गुरु क्यों?* * *प्राचीन भारत-आधुनिक भारत में अंतर* * *कल्कि जी की पुकार क्यों करें?* * *कल्कि जी की स्वप्नानुभव लीला* * *श्री कल्कि की पुकार ही सार है* * *कल्कि जी की भक्ति कैसे करें?* * *कल्कि जी का प्रचार कैसे करें?* * *धर्म/ भक्ति / ज्ञान और कल्कि* * *श्री कल्कि साहित्य*

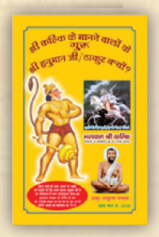

ऑडियो सी.डी.

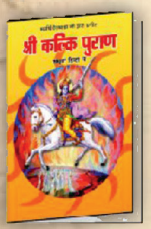

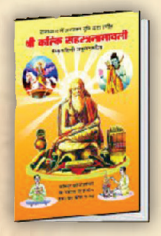

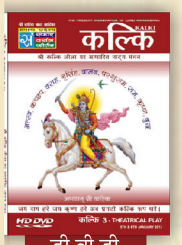

डी.वी.डी.

श्री कल्कि जी का शुभ का खजाना

अपनी आमदनी में से कम से कम एक प्रतिशत अधिक से अधिक दस प्रतिशत रुपया भगवान श्री कल्कि के शुभ के खजाने में डालें।

इस खजाने को कहाँ लगाएं?—श्री कल्कि बाल वाटिका की संस्कार रोपण कार्यशालाओं, श्री कल्कि जी के हवनों, सत्संग, कल्कि जी के उपचारों में, कल्कि जी के महोत्सवों-कीर्तन, अनुभव गोष्ठी, मूर्ति स्थापना, शोभा यात्रा, कल्कि जी के उत्सवों में आने जाने मे, कल्कि जी के आगामी बनने वाले संग्रहालयों में एवं कल्कि जी के अन्य प्रचार के कार्यों में लगाएं। साहित्य में कम से कम 25 से 30 प्रतिशत अवश्य लगाएं, इससे आपके घर एवं व्यापार के प्रगति के मार्ग योजनाबद्ध तरीके से खुलते चले जाएंगे।

यू.एस.बी. | पैन ड्राइव

मंत्र बाक्स

श्री कल्कि बाल वाटिका

चाँदनी चौक❖कसेरू वालान, पहाड़गंज ❖पालनपुर ❖देहरादून ❖असरोही ❖कोलकाता ❖चेन्नई

1903/3, पहली मंजिल, चाँदनी चौक, दिल्ली-110006 सम्पर्क : 23886646, 23866661

हाउस नं. 4116, कसेरू वालान, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55, सम्पर्क : 23587079

सी 0-2/16, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110035

कॉलेज कम्पाउन्ड, गीता सोसाईटी, पालनपुर : 385001, गुजरात, सम्पर्क : 02742-258068, 09824968440

2 नम्बर, हाईट रोड, लिलुआ, हावड़ा-711204 (कोलकाता)

आभार/Ack.: श्री कल्कि पुराण, ऋग वेद, ऋषि प्रसाद, स्वामी राम सुखदास, नवभारत टाइम्स

योगेश प्रकाश गुप्ता, दिल्ली द्वारा प्रकाशित व अन्य बालकों के ज्ञानवर्धन हेतु

प्रिंटर्स : शिवानी ऑफसैट, ए-36, से.-8, नोएडा, गौतम बुद्धनगर (यू.पी.)

पारस प्रिंटिंग प्रेस, पटपड़गंज, नई दिल्ली

न करने का न करवाने का झंझट बस फोन करते रहें जब तक काम पूरा न हो

मंदिरों में भगवान श्री कल्कि जी की मूर्ति, पोशाक, लाईट प्रभारी : हर्षित गुप्त (मनु) (9999885277) अंकित गड़ौदिया (9968154304) राहुल अग्रवाल (09891879718) अलका गोयल (09811281271)

श्री कल्कि बाल वाटिका मासिक पत्रिका

के सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें—

☎ 9312533445, 9136377829, 9968314876

वार्षिक सदस्यता शुल्क : 120/- रुपए मात्र

Regd. Office : 1903, 1st Floor, Chandni Chowk, Delhi-6, Tel.: 23973383